UNIVERSITY OF CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS
General Certificate of Education
Advanced Subsidiary Level and Advanced Level

HINDI **8687/02**
9687/02

Paper 2 Reading and Writing **October/November 2007**

1 hour 45 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.

Answer **all** questions.
Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.
Dictionaries are **not** permitted.
You should keep to any word limits given in the questions.

At the end of the examination, fasten all your work securely together.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

पहले नीचे दिए निर्देश पढ़िए

यदि आपको उत्तर-पुस्तिका दी जाती है तो उसके पहले पृष्ठ के निर्देशों का पालन करें।
परीक्षा के लिए आप जो भी काम दें उस पर केन्द्र संख्या और अपना नाम लिखें।
गहरी नीली या काली स्याही वाली कलम से कागज के दोनों ओर लिखें।
स्टेप्लर, पेपर क्लिप, हाइलाइटर, गोंद या करेक्शन-फ़्लुइड का प्रयोग न करें।
शब्दकोष का प्रयोग मना है।

सभी प्रश्नों के उत्तर दें।
दी गई उत्तर-पुस्तिका में अपने उत्तर **हिन्दी** में लिखें।
उत्तर, प्रश्नों में दिए गए शब्दों की संख्या तक ही सीमित रखें।
परीक्षा के अंत में अपना सब काम सुरक्षित रूप से एक साथ बाँध दें।
प्रत्येक प्रश्न या प्रश्न-अंश के अंत में उसके निर्धारित अंक कोष्ठकों [ ] में दिए गए हैं।

This document consists of **5** printed pages and **3** blank pages.

SP (SLM/TL) T37466/5
© UCLES 2007
UNIVERSITY of CAMBRIDGE International Examinations

भाग 1

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

तनाव

यदि स्वप्न में भी हम स्वयं को औरों से आगे बढ़ता देखते हैं तो हमारा चेहरा खिल उठता है फिर यथार्थ का तो कहना ही क्या। वर्तमानकाल एक प्रतिस्पर्द्धा का युग है। कहीं हम दूसरों से पिछड़ न जाएं यह सोचते हुए इसी होड़ में लगे रहते हैं कि किस प्रकार कम से कम समय में अधिक से अधिक प्राप्त कर सकें, चाहे हमें मशीन बनकर ही क्यों न, इसका मूल्य चुकाना पड़े। इस प्रकार का जीवन तनाव को जन्म देता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार कुछ व्यक्ति स्वभाव से ही महत्त्वाकांक्षी,अधीर तथा प्रतिस्पर्द्धाशाली होते हैं। ऐसे मनुष्य जीवन में घटित प्रत्येक घटना के प्रति आक्रोश प्रगट करते हैं। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार इस प्रकार का व्यवहार एक प्रकार की प्रतिक्रिया है। ऐसा माना जाता है कि ऐसे स्वभाव वाले लोग उस समय जब उन्हें अपने नियंत्रण को खोने का भय होने लगता है तो वे अपनी पकड़ मजबूत रखने के लिए अथक प्रयत्न करते हैं जिसके कारण प्रायः तनाव के अंकुश में आ जाते हैं। किसी कारणवश यदि वे ऐसे हालातों को अपने काबू में नहीं रख पाते हैं तो बुरी तरह से टूट जाते हैं। यही नहीं, देखा गया है कि तनाव से पीड़ित मानव की मानसिक और भावनात्मक प्रतिक्रियाएं जीवन के प्रति उसके दृष्टिकोण, शारीरिक बीमारियां जैसे कैंसर, मधुमेह, दमा, अल्सर व रक्तचाप आदि रोगों के प्रारम्भ और उनकी वृद्धि पर सीधा असर डालती हैं।

व्यक्तिविशेष की शिक्षा, उसका परिवेश, स्वयं तथा औरों से की गई अपेक्षाएं इस विषय पर प्रभाव डालती हैं कि वह किसी विशेष अवस्था का सामना कैसे करेगा। ऐसा भी सम्भव है कि एक परिस्थिति जो किसी एक के लिए तनावपूर्ण हो वही किसी दूसरे के लिए तनावपूर्ण न हो। अतः हम कह सकते हैं कि तनाव या उत्तेजना एक ऐसी विकृत मनोदशा है जिसकी चपेट में कोई भी मनुष्य, कभी भी आ सकता है।

यह सत्य है कि आनुवंशिकता व परिवेश को बदल सकना आसान नहीं है परन्तु हम अपने जीवन जीने के तरीके तथा जीवन के प्रति अपनी विचारधारा में तो परिवर्तन ला ही सकते हैं। स्वयं को आशावान और दृढ़निश्चयशाली बनाने की क्षमता ही यह तय करती है कि हम किस सीमा तक तनाव से लड़ पाएंगें तथा उसे अपने ऊपर हावी होने से रोक सकेगें। निष्कर्षतः हमें शुतुरमुर्ग की भांति रेत में सिर छुपाने की अपेक्षा वास्तविकता का सामना करते हुए तनाव से मुक्त होने का प्रयत्न करना चाहिए।

1 नीचे दी गई प्रत्येक परिभाषा के लिए उपरोक्त अनुच्छेद में लिखित उन शब्दों या उक्तियों को लिखिए जिनसे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उदाहरण : आधुनिकयुग (para. 1)

उत्तर : वर्तमानकाल

(a) मुकाबला (para. 1) [1]

(b) ऊंचा उठने की अभिलाषा करने वाला (para. 2) [1]

(c) क्रोध (para. 2) [1]

(d) अवस्था (para. 3) [1]

(e) विभिन्न रोगों व स्वभाव को अपने बच्चों में पहुंचा देने की प्रवृत्ति (para. 4) [1]

[पूर्णांक : 5]

2 निम्नलिखित प्रत्येक शब्द या उक्ति का प्रयोग करते हुए अपने शब्दों में ऐसे वाक्य बनाइए जिससे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उदाहरण : मूल्य चुकाना (para. 1)

उत्तर : राम को अब अपनी मूर्खता का भारी मूल्य चुकाना पड़ रहा है।

(a) चेहरा खिलना (para. 1) [1]

(b) नियंत्रण (para. 2) [1]

(c) दृष्टिकोण (para. 2) [1]

(d) मनोदशा (para. 3) [1]

(e) क्षमता (para. 4) [1]

[पूर्णांक : 5]

3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए। अनुच्छेद के वाक्यों की नकल न करें।

(प्रत्येक प्रश्न के अन्त में अंकों की संख्या दी गई है। इसके अतिरिक्त आपके उत्तरों की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किए गए हैं।) [पूर्णांक:15+5=20]

(a) आधुनिक युग में तनाव की भूमिका व इसकी उत्पत्ति के कारणों पर प्रकाश डालिए। [3]

(b) तनाव को एक प्रतिक्रिया क्यों माना गया है ? उदाहरण सहित इसका विवरण दीजिए। [3]

(c) मानवीय स्वास्थ्य पर तनाव का क्या प्रभाव पड़ता है और क्यों ? [3]

(d) इस प्रतिक्रिया का मनोदशा से जो सम्बन्ध है उसका उल्लेख कीजिए। [3]

(e) तनाव से बचने के लिए क्या परामर्श दिये गए हैं और क्यों ? [3]

[पूर्णांक : 20]

© UCLES 2007

भाग 2

अब इस द्वितीय गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए।

भौतिकतावाद

भौतिकतावाद न केवल संभ्रांतजन बल्कि सामान्य मनुष्यों कि मानसिकता पर भी गहरा प्रभाव डालता है। भौतिकतावाद से उपभोक्तावाद पनपता है। इससे सुविधाभोगी प्रवृत्ति बढ़ती है जो बेचने की व्यवस्था अर्थात 'बाजारवाद' की पोषक है। इस बाजारवाद की संस्कृति, पूँजीवादी अर्थव्यवस्था को, सुनियोजित विधि से विकसित करती है। पूँजीवादी अर्थव्यवस्था, सुविधाभोगी प्रवृत्ति के साथ साथ साधारण जनता को निर्भर बनाती है। इसी कारण समाज में यथास्थिति बनाए रखने की मनोभावना जन्म लेती है जो समाज-परिवर्तन के लिए घातक है।

इस सन्दर्भ में महात्मा गांधी के विचारों का उद्धरण करना उपयुक्त होगा कि 'समाजकल्याण का तरीका सुधारवादी नहीं, परिवर्तनकारी होना चाहिए। सुधारवाद से तात्पर्य फटे पर पैबंद लगाना है और परिवर्तन का अर्थ फटे को समूचा बदल देना होता है।'

सुनियोजित बाजारवाद, लुभावने विज्ञापनों के माध्यम से लोगों को आकृष्ट करके उन्हें उपभोक्ता बनने की लत लगा रहा है। दिन प्रतिदिन एक न एक नई कम्पनी दैनिक उपभोग के उत्पादन लेकर बाजार में आ रही है जो मार्केटिंग के नाम पर अधिक से अधिक माल बेचने की आकर्षक विधियों का प्रयोग कर रही है। बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। बहुत सी बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ 'डायरेक्ट' अथवा 'नेटवर्क मार्केटिंग' के नाम पर जन समूह का, विशेषकर मध्यमवर्गीय समाज का भरपूर शोषण कर रही हैं। इन कम्पनियों के साथ जुड़े लोगों के श्रम, योग्यता व समय का शोषण हो रहा है। 'यदि एक बार आप मार्केटिंग में सफल हो गए तो समझिए कि आप इतने सम्पन्न हो जाऐंगे कि सम्पूर्ण भौतिक पदार्थ विपुल मात्रा में प्राप्त कर सकेंगे' का तर्क देकर ये कम्पनियां अपरिपक्व युवाजनों को लालायित करती हैं।

इतना ही नहीं भौतिकतावाद को बढ़ावा देने में संघटन, चाहे वे राजनीतिक हों या सामाजिक अथवा धार्मिक ये सभी, कुछ न कुछ हद तक जिम्मेदार हैं। राजनीतिक और सामाजिक संस्थाओं का तो कहना ही क्या, आश्चर्य तो यह है कि धार्मिक आयोजनों में भी भौतिकतावाद हावी होता जा रहा है। जहाँ एक ओर सांसारिक मोह माया से दूर रहने का उपदेश दिया जाता है, वहाँ दूसरी ओर समारोहों के प्रबन्ध में करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। महान आत्माओं की जयंती, पुण्यतिथि व धार्मिक कथाओं का आयोजन पूर्णतः सामंतवादी विधि द्वारा आयोजित किया जा रहा है। अब आप ही बताइए कि इन सबसे, भौतिकतावादी भ्रष्टाचार में बढ़ावा नहीं तो और क्या हो रहा है ?

© UCLES 2007

4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए। अनुच्छेद के वाक्यों की नकल न करें।
(प्रत्येक प्रश्न के अन्त में अंकों की संख्या दी गई है। इसके अतिरिक्त आपके उत्तरों की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किए गए हैं।)

[पूर्णांक :15+5=20]

(a) आपके विचार में 'बाजारवाद' को बढ़ावा देने में किसका सबसे बड़ा हाथ है और कैसे ? [3]

(b) उपरोक्त विषय पर कहे गए कथन से महात्मा गांधी का क्या तात्पर्य था ? कारण सहित इन विचारों का वर्णन कीजिए। [3]

(c) बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के समाज पर पड़ रहे प्रभाव पर, कारण सहित प्रकाश डालिए। [3]

(d) युवाजन झूठे आश्वासनों में कैसे और क्यों फंस जाते हैं ? [2]

(e) भौतिकतावाद का प्रभाव किन क्षेत्रों में दिखाई पड़ता है,विशेषकर धार्मिक संस्थाओं में इसकी क्या भूमिका है ? [4]

[पूर्णांक : 20]

5 (a) उपरोक्त दोनों अनुच्छेद आधुनिक जीवन में पनपने वाली समस्याओं का विश्लेषण करते हैं। दोनों पक्षों का तुलनात्मक विवरण, उदाहरण सहित कीजिए। [10]

(b) उपरोक्त दोनों अनुच्छेदों की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए लिखिए कि आपके विचार से इस युग में भौतिकतावादी तनाव के प्रभावों से बचने के लिए हमें क्या करना चाहिए ? [5]

इन दोनों प्रश्नों के उत्तर 140 शब्दों की सीमा तक ही रखिए।

[भाषा और शैली: 5]
[पूर्णांक : 20]

© UCLES 2007

BLANK PAGE

BLANK PAGE

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

University of Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.